

संत सदा सुख धारा साधु रे भई संत सदा सुख धारा



संत सदा सुख धारा साधु रे भई,
संत सदा सुख धारा ओ जी,
संत सदा सुख धारा साधु रे भई,
संत सदा सुख धारा ओ जी,
उल्टी धारा जो नर चाले,
उल्टी धारा जो नर चाले,
उल्टे मरे वे गिवारा साधु रे भई,
संत नी सुख री धारा ओ जी,
संत सदा सुख धारा साधु रे भई,
संत सदा सुख धारा ओ जी।

मोटा खांड ने मोटा न कहिये,
मोटा खांड ने मोटा न कहिये,
नीच खांडा री धारा ओ जी,
मोटा खांड ने मोटा न कहिये,
नीच खांडा री धारा ओ जी,
मन अभिमानी रो शिश काटीयो,
मन अभिमानी रो शिश काटीयो,
गुरु मुख ग्यान कि धारा रे साधु भई,
संत सदा सुख धारा साधु रे भई,
संत सदा सुख धारा ओ जी।

रण मैदाना मे सूरु नर खेले,
रण मैदाना मे सूरु नर खेले,
हाथ लिया तलवारा ओ जी,
रण मैदाना मे सूरु नर खेले,
हाथ लिया तलवारा ओ जी,
दाव गुरुजी रो जो नर सीखे,
दाव गुरुजी रो जो नर सीखे,
माता नरारा लावे रे साधु भई,
संत सदा सुख धारा साधु रे भई,
संत सदा सुख धारा ओ जी।

सतगुरु शरने जो नर जावे,
सतगुरु शरने जो नर जावे,
कभी न लेवे अवतारा ओ जी,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना सतगुरु शरने जो नर जावे के बिना डाउनलोड करने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



कभी न लेवे अवतारा ओ जी,
पाँच पच्चीस ने वे नर जीते,
पाँच पच्चीस ने वे नर जीते,
नाम सु दिखे न्यारा रे साधु भई,
संत सदा सुख धारा साधू रे भाई,
संत सदा सुख धारा ओ जी। **bd।**

सतगुरु माने पूरा मिलीया,
सतगुरु माने पूरा मिलीया,
खोल्या घट रा द्वारा ओ जी,
सतगुरु माने पूरा मिलीया,
खोल्या घट रा द्वारा ओ जी,
भीमपुरी भाण भीतर उगीयो,
भीमपुरी भाण भीतर उगीयो,
आठों पोर उजीयाला रे साधु भई,
संत सदा सुख धारा साधू रे भाई,
संत सदा सुख धारा ओ जी। **bd।**

संत सदा सुख धारा साधु रे भई,
संत सदा सुख धारा ओ जी,
संत सदा सुख धारा साधू रे भाई,
संत सदा सुख धारा ओ जी,
उल्टी धारा जो नर चाले,
उल्टी धारा जो नर चाले,
उल्टे मरे वे गिवारा साधु रे भई,
संत नी सुख री धारा ओ जी,
संत सदा सुख धारा साधू रे भाई,
संत सदा सुख धारा ओ जी। **bd।**

गायक – प्रकाश माली जी।

प्रेषक – मनीष सीरवी

9640557818
